डी ए वी बी आर पब्लिक स्कूल बीना जिला सागर

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र अर्द्ध वार्षिक परीक्षा

कक्षा - दसवी सत्र २०२४ – २०२४

समय : ०३ घंटे **पूर्णांक : ८०**

सामान्य निर्देश :

- 'इस प्रश्न-पत्र में दो खंड है- 'अ' और 'ब'। खंड 'अ' में वस्तुपरक/बहुविकल्पीय और खंड 'ब' में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
- प्रश्न-पत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
- खंड 'अ' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड 'ब' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड 'अ'
(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। **(1 × 5 = 5)**

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहाँ एक तरफ भौतिक समृद्धि अपनी ऊँचाई पर है, तो दूसरी तरफ चारित्रिक पतन की गहराई है। आधुनिकीकरण में उलझा मानव सफलता की नित नई परिभाषाएँ खोजता रहता है और अपनी अंतहीन इच्छाओं के रेगिस्तान में भटकता रहता है। ऐसे समय में सच्ची सफलता और सुख-शांति की प्यास से व्याकुल व्यक्ति अनेक मानसिक रोगों का शिकार बनता जा रहा है। हममें से कितने लोगों को इस बात का ज्ञान है कि जीवन में सफलता प्राप्त करना और सफल जीवन जीना, यह दोनों दो अलग-अलग बातें हैं।

यह जरूरी नहीं कि जिसने अपने जीवन में साधारण कामनाओं को हासिल कर लिया हो, वह पूर्णत: संतुष्ट और प्रसन्न भी हो। अत: हमें गंभीरतापूर्वक इस बात को समझना चाहिए कि इच्छित फल को प्राप्त कर लेना ही सफलता नहीं है। जब तक हम अपने जीबन में नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों का सिचन नहीं करेंगे, तब तक यथार्थ सफलता पाना हमारे लिए मुश्किल ही नहीं, अपितु असंभव कार्य हो जाएगा, क्योंकि बिना मूल्यों के प्राप्त सफलता केवल क्षणभंगुर सुख के समान रहती है। यदि आप असफलता से निराश हो चुके हैं और ऐसा सोच रहे हैं कि सब कुछ यहीं खत्म हो गया तो आपको सफल व्यक्तियों के बारे में पढ़ना चाहिए। निराश और

उत्साहहीन करने वाले हर विचार हमें पीछे की ओर धकेलते हैं। निराश हो जाना अथवा हिम्मत हारकर उत्साहहीन होकर बैठ जाना स्वयं के प्रति एक अपराध है। हमें अपने आपमें स्फूर्ति तथा मन में उत्साह भरते हुए स्वयं पर विश्वास करना चाहिए। कुछ

निराशावादी लोगों का कहना है कि हम सफल नहीं हो सकते, क्योंकि हमारी तकदीर या परिस्थितियाँ ही ऐसी हैं, परंतु यदि हम अपना ध्येय निश्चित करके उसे अपने मन में बिठा लें तो फिर सफलता स्वयं हमारी ओर चलकर आएगी। सफल होना हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, परंतु यदि हम अपनी विफलताओं के बारे में ही सोचते रहेंगे, तो सफलता को कभी हासिल नहीं कर पाएँगे। अत: विफलताओं की चिता न करें, क्योंकि वे तो हमारे जीवन का सौदर्य हैं और संघर्ष जीवन का काव्य है। कई बार प्रथम आघात में पत्थर नहीं टूट पाता, उसे तोड़ने के लिए कई आघात करने पड़ते हैं, इसलिए सदैव अपने लक्ष्य को सामने रख आगे बढ़ने की जरूरत है। कहा भी गया है कि जीवन में सकारात्मक कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

(क) "विफलताओं की चिता नहीं करनी चाहिए।" प्रस्तुत कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए।
1. क्योकि उनका लगातार चितन करने से सफलता कभी हासिल नहीं होगी।
2. क्योंकि विफलताएँ हमारे जीवन का सौदर्य हैं।
3. क्योंकि विफल होना अपराध है।
4. क्योंक विफलताएँ पथभ्रष्ट करती हैं।
(i) केवल 1 सही है
(ii) 1 और 2 सही हैं
(iii) 2 और 3 सही हैं
(iv) 3 और 4 सही हैं

(ख) हम कैसे युग में जी रहे हैं?
(i) जहाँ भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने के साथ-साथ चरित्र का पतन भी होता जा रहा है।
(ii) जहाँ हर प्रकार की सुख-सुविधाएँ हैं, तो साथ ही बहुत-सी समस्याएँ भी है।
(iii) जहाँ मनुष्य प्रतिदिन सफलता के नए-नए प्रतिमान गढ़ता जा रहा है।
(iv) जहाँ मनुष्य केवल और केवल पतनोन्मुख होता जा रहा है।

(ग) जीवन में क्या आवश्यक नहीं है?
(i) सफलताओं को प्राप्त करने के बाद कोई असफल न हुआ हो
(ii) जीवन में हर मुकाम हासिल हो गया हो
(iii) जिसने जीवन में अपनी सामान्य इच्छाओं की पूर्ति कर ली हो, वह संतुष्ट और प्रसन्न भी हो
(iv) जो भौतिक रूप से समृद्ध है, वह आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध हो

(घ) गद्यांश के अनुसार वास्तविक सफलता क्या है?
(i) हर प्रकार की भौतिक व आध्यात्मिक सुख-सुविधाओं को प्राप्त करना

(ii) जीवन में नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों को सिंचित करना
(iii) जीवन में सभी प्रकार की साधारण कामनाओं को हासिल करना
(iv) अपने लक्ष्य को प्राप्त करके उस पर अमल करना

(ङ) कथन (A) मनुष्य मानसिक रोगों का शिकार होता जा रहा है।
कारण (R) मनुष्य अपने कार्य से असंतुष्ट रहता है।
(i) कथन A गलत है, किंतु कारण R सही है।
(ii) कथन A और कारण R दोनों गलत है।
(iii) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R कथन A की सही व्याख्या करता है।
(iv) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R कथन A की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न2. **निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर सवांधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए।** **(1 × 5 = 5)**

हम धरती के बेटे बड़े कमेरे हैं ।
भरी थकन में सोते फिर भी -
उठते बड़े सवेरे हैं ।।
धरती की सेवा करते हैं
कभी न मेहनत से डरते हैं
लू हो चाहे ठण्ड सयानी
चाहे झर-झर बरसे पानी
ये तो मौसम हैं हमने
तूफ़ानों के मुँह फेरे हैं ।
खेत लगे हैं अपने घर से
हमको गरज नहीं दफ़्तर से
दूर शहर से रहने वाले
सीधे-सादे, भोले-भाले
रखवाले अपने खेतों के
जिनमें बीज बिखेरे हैं।
हाथों में लेकर हल-हँसिया
गाते नई फ़सल के रसिया
धरती को साड़ी पहनाते
दूर-दूर तक भूख मिटाते
मुट्ठी पर दानों को रखकर
कहते हैं बहुतेरे हैं

हम धरती के बेटे बड़े कमेरे हैं।
भरी थकन में सोते फिर भी -
उठते बड़े सवेरे हैं।।

(i) "हम धरती के बेटे बड़े कमेरे हैं !' में कमेरे से आशय है-
(क) परिश्रमी
(ख) काम के
(ग) किसान
(घ) मजदूर

(ii) (ii) कवि ने किसानों को 'फसलों का रसिया' कहा है क्योंकि वे-
(क) फसलों को उगाते हैं।
(ख) फसलों को काटते हैं।
(ग) फ़सलों से प्रेम करते हैं।
(घ) फसलों को बेचते हैं।

(iii) (iii) किसान ' धरती की सेवा ' ..... करते हैं।
(क) खेतों में फसल उगाकर है
(ख) सर्दी, गर्मी, बरसात सहकर
(ग) बिना विश्राम परिश्रम कर
(घ) खेतों के पास घर बनाकर

(iv) (iv) कथन (A) और कारण (R) पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनिए:
कथन (A): हमारे घर खेतों के पास स्थित होते हैं।
कारण (R) हमारे घर शहरों से दूर होते हैं।
(क) कथन (A) सही है, किन्तु कारण (R) गलत है।
(ख) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) व कारण (R) सही हैं और कथन (A), कारण (R) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) व कारण (R) सही हैं और कथन (A), कारण (R) की सही व्याख्या नहीं है।

(v) (v) "हम किसानों ने धरती को फूसलों के आवरण से ढक दिया है।' निम्नलिखित किस पंक्ति का यह आशय है-
(क) तूफानों के मुँह फेरे हैं
(ख) रखवाले अपने खेतों के
(ग) धरती को साड़ी पहनाते
(घ) दूर-दूर तक भूख मिटाते

प्रश्न 3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(1 × 4 = 4)**

(क) 'नेताजी का भाषण समाप्त होने पर लोग घर को चले गए।' इसका संयुक्त वाक्य होगा
(i) नेताजी का भाषण समाप्त हुआ और लोग घर चले गए।
(ii) जब नेताजी का भाषण समाप्त हुआ तब लोग घर चले गए।
(iii) नेताजी के भाषण समाप्त होने पर लोग घर चले गए।
(iv) इनमें से कोई नहीं

(ख) 'हम लोगों को दर्शन करने थे, इसलिए हम मंदिर गए।' इसका मिश्रित वाक्य होगा
(i) दर्शन करने के उद्देश्य से हम मंदिर गए।
(ii) हमें दर्शन करने थे, इसलिए हम मंदिर गए।
(iii) हम लोग मंदिर इसलिए गए, क्योंकि हम लोगों को दर्शन करने थे।
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ग) 'प्रिया बाजार गई। वहाँ से सेब लाई।' इसका सरल वाक्य होगा
(i) प्रिया बाज़ार गई और वहाँ से सेब लाई।
(ii) प्रिया बाजार जाकर वहाँ से सेब लाई।
(iii) प्रिया सेब लाई जब वह बाजार गई।
(iv) जब प्रिया बाजार गई तो वहाँ से सेब लाई।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए सबसे सही विकल्प को चुनिए
1. उसने कहा कि वह बहुत बुद्धिमान है।
2. वर्षा होने के कारण वह देर से घर पहुँचा।
3. हम कल यहाँ से जाकर ताजमहल देखेंगे।
4. उसने स्वयं को बुद्धिमान कहा।

कूट
(i) केवल 1 सही है
(ii) 1 और 2 सही हैं
(iii) 2 और 3 सही हैं
(iv) 3 और 4 सही हैं

(ङ) सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए।

सूची I	सूची II

A. सूर्योदय होने पर कुहासा जाता रहा।	1. संयुक्त वाक्य
B. जैसे ही सूर्योदय हुआ वैसे ही कुहासा जाता रहा।	2. सरल वाक्य
C. सूर्योदय हुआ और कुहासा जाता रहा।	3. मिश्र वाक्य

प्र 4**.** निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए- **(1 × 4 = 4)**

(i) बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब ' मानते थे। (कर्म वाच्य में बदलिए)
(क) बालगोबिन भगत द्वारा कबीर को 'साहब' माना जाता था।
(ख) बालगोबिन भगत द्वारा कबीर को "साहब' माना जाता है।
(ग) बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब' मानते हैं।
(घ) बालगोबिन भगत से कबीर को "साहब ' माना जाता है।

(ii) भोर में लोगों से बालगोबिन भगत का गीत नहीं सुना गया। वाक्य में वाच्य है-
(क) कर्म वाच्य
(ख) भाव वाच्य ह।
(ग) कर्तु वाच्य

(घ) कर्तृ और कर्म वाच्य दोनों
(iii) धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। " उदाहरण है-
(क) भाव वाच्य
(ख) कर्त वाच्य
(ग) कर्म वाच्य
(घ) विचार वाच्य

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में भाव वाच्य का उदाहरण है:
1. माता जी मिठाई बना सकती हैं।
2. मुझसे बैठा नहीं जाता।
3. भगवान द्वारा हमारी रक्षा की जाती है।
4. गर्मियों में छत पर सोया जाता है।
(क) और 2 सही है।
(ख) 2 और 3 सही है।
(ग) और 4 सही है।

(घ) 2 और 4 सही है।

(v) सूची को सूची 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए–

सूची 1	सूची 2
1. गर्मियों में लोग खूब नहाते हैं।	(i) भाव वाच्य
2. गोपाल से पत्र लिखा जाता है।	(ii) कर्तु वाच्य
3. धूप में चला नहीं जाता।	(iii) कर्म वाच्य

विकल्प
(क) 1. (i), 2. (ii), 3. (iii)
(ख) 1. (ii), 2. (iii), 3. (i)
(ग) 1. (i), 2. (iii), 3. (ii)
(घ) 1. (ii), 2. (i), 3. (iii)

प्रश्न 5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(1 × 4 = 4)**

(क) वह विश्वास के योग्य नहीं है। रेखांकित अंश का पद परिचय होगा
(i) संबंधबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'वह' और 'विश्वास'
(ii) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, 'वह' विशेष्य
(iii) समुच्चयबोधक अव्यय, संबंधी शब्द 'वह' और 'विश्वास'
(iv) क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया 'है'

(ख) हम सभी बाहर जा रहे हैं। रेखांकित अंश का पद परिचय होगा
(i) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, कर्म कारक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, 'जा रहे हैं क्रिया का कत्ता
(ii) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, कर्ता कारक, पुल्लिग, बहुबचन, 'जा रहे हैं क्रिया का कर्ता
(iii) पुरुषवाचक सर्वनाम, कर्ता कारक, पुल्लिग, बहुवचन, 'जा रहे हैं क्रिया का कर्ता
(iv) पुरुषवाचक सर्वनाम, कत्ता कारक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, 'जा रहे हैं' क्रिया का कर्ता

(ग) इसके चलते ही मैं दो-एक बार उनके कोप से बच गई थी। रेखांकित अंश का पद परिचय होगा
(i) परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिग, विशेष्य 'कोप'
(ii) संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिग, विशेष्य 'कोप'

(iii) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिग, विशेष्य 'कोप'
(iv) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिग, विशेष्य 'कोप'

(घ) अचानक वर्षा होने लगी। रेखांकित अंश का पद परिचय होगा
(i) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया 'होने लगी'
(ii) कालवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया 'होने लगी'
(iii) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया 'होने लगी'
(iv) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया 'होने लगी'

(ङ) वह बहुत सुंदर लझकी है। यहाँ तो बहुत पानी फैला है। दोनों वाक्यों के 'बहुत' का सामान्य पद परिचय होगा
(i) पहला बहुत-प्रविशेषण, दूसरा बहुत-अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
(ii) पहला बहुत-प्रविशेषण, दूसरा बहुत-अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
(iii) पहला बहुत-अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, दूसरा बहुत-प्रविशेषण
(iv) पहला बहुत-अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, दूसरा बहुत-क्रिया-विशेषण

प्रश्न 6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए।
(1 × 4 = 4)

"सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यों करुई ककरी ' में अलंकार है-
(क) उ्प्रेक्षा
(ख) श्लेष
(ग) यमक
(घ) अनुप्रास

(i) (ii) "कहीं साँस लेते हो घर-घर भर देते हो ' पंक्ति में निहित अलंकार है-
(क) उपमा
(ख) रूपक
(ग) यमक
(घ) मानवीकरण

(ii) "उस काल मारे क्रोध के, तन काँपने उसका लगा। मानो हवा के जोर से, सोता हुआ सागर जगा। ' में अलंकार है-
(क) उत्प्रेक्षा
(ख) रूपक
(ग) श्लेष

(घ) उपमा

(iii) (iv) निम्नलिखित में उत्प्रेक्षा अलंकार है-
(क) बादल, गरजो!
(ख) घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!
(ग) ललित ललित, काले घुँघराले
(घ) चित्रकूट जनु अचल अहेरी!

(iv) 'सुबरन को खोजत फिरत कवि, व्यभिचारी , चोर' में अलंकार है-
(क) उपमा
(ख) रूपक
(ग) यमक
(घ) श्लेष

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। **(1 × 5 = 5)**

आसाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैं, कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा, धूप का नाम नहीं है, ठंडी पुरवाई चल रही है। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है- यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अंगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। सनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं, गेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं, हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं, रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू!

(क) गद्यांश के आधार पर बताइए कि भगत के संगीत के जादू का प्रभाव किस पर और क्या पड़ता है?
(i) हलवाहों के पैर उनके संगीत की लय पर उठने लगते हैं
(ii) बच्चे खेलते हुए झूमने लगते हैं
(iii) मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंड काँप उठते हैं
(iv) ये सभी

(ख) गद्यांश के अनुसार बालगोबिन भगत इस समय क्या कार्य कर रहे हैं?
(i) मेंड़ पर बैठकर गीत गा रहे हैं
(ii) अपने खेत में धान की रोपनी कर रहे हैं
(iii) अपने खेत में पानी दे रहे हैं

(iv) अपने खेत में हल चला रहे हैं

(ग) बालगोबिन भगत के संगीत की क्या विशेषता है?
(i) उनका संगीत लय-तालबद्ध नहीं है
(ii) उनका संगीत सामान्यजन को प्रभावित नही कर पाता
(iii) उनका संगीत प्रत्येक व्यक्ति को रोमांचित व मुग्ध कर देता है
(iv) उनके संगीत में मन को हरने की शक्ति नहीं है

(घ) भगत अपने संगीत का प्रभाव बढ़ाने के लिए क्या करते थे?
(i) स्वर को ऊँचा करते थे
(ii) स्वर को नीचा करते थे
(iii) स्वर को ऊँचा-नोचा करते थे
(iv) इनमें से कोई नहीं

(ङ) बालगोबिन भगत की कवीर पर अगाध श्रद्ध के क्या कारण थे?
(i) आदर्शों को व्यवहार में उतारना
(ii) सामाजिक कुरीतियों का विरोध करना
(iii) कबीर का आडंबरों से रहित सादा जीवन
(iv) ये सभी

प्रश्न 8. 'क्षितिज' के गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **(1 × 2 = 2)**

(i) 'बालगोबिन भगत के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है? '
(क) आडंबर से दूर रहकर ईश्वर भक्ति करने की
(ख) कृषि आधारित जीवन व्यतीत करने की
(ग) सामाजिक रूढ़ियों का समर्थन करने की
(घ) पूजा-पाठ और यज्ञ आदि करने की

(ii) (ii) अमीरूद्दीन को रसूलनबाई और बातूलनबाई के घरवाला रास्ता क्यों पसंद था?
(क) संगीत के प्रति असीम रुचि के कारण।
(ख) संगीत के प्रति अरुचि के कारण।
(ग) वह छोटा रास्ता था।
(घ) वह रास्ता साफ़-सुथरा था।

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। **(1 × 5 = 5)**

नाथ संभुधनु भंजनिहारा।
होइहि केठ एक दास तुम्हारा॥
आयेसु काह कहिअ किन मोही।
सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई।
अरिकरनी करि करिअ लराई।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा।
सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा।
न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने।
बोले परसुधरहि अवमाने॥
बहु धनुही तोरी लरिकाईं।
कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू।
सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू।।

(क) परशुराम के क्रोध को शांत करने के लिए राम ने उनसे क्या कहा?
(i) धनुष तोड़ने वाला कोई राजकुमार है
(ii) घनुष तोड़ने वाला आपका कोई सेवक होगा
(iii) धनुष तोडने वाला आपका कोई मित्र होगा
(iv) यह धनुष अपने आप दूट गया

(ख) स्वयंवर में जो धनुष टूट गया था, वह किसका था?
(i) राजा जनक का
(ii) राम जी का
(iii) विष्णु जी का
(iv) परशुराम जी के आराध्य शिवजी का

(ग) शिव-धनुष टूटने पर परशुराम क्रोधित क्यों हुए?
(i) परशुराम शिव-भक्त थे और उन्हें शिव-धनुष प्रिय था
(ii) उन्हें सीता-स्वयंवर में आमंत्रित नहीं किया गया था
(iii) वे क्षत्रिय कुल के विद्रोही थे

(iv) परशुराम जी क्रोधी स्वभाव के थे

(घ) 'सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू' इस पंक्ति में 'भृगुकुलकेतू' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?
(i) लक्ष्मण के लिए
(ii) राजा जनक के लिए
(iii) परशुराम के लिए
(iv) विश्वामित्र के लिए

(ङ) शिव-थनुष तोड़ने वाले की तुलना परशुराम ने किससे की है?
(i) अपने शत्रु कर्ण से
(ii) अपने शत्तु सहसबाहु से
(iii) अपने शत्रु वशिष्ठ मुनि से
(iv) अपने शत्तु राजा जनक से

प्रश्न 10. पाठ्यपुस्तक में निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित दो प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **(1 × 2 = 2)**

(i) "दंतुरित मुसकान' कविता में कवि को शिशु का धूल-धूसरित शरीर प्रतीत होता है-
(क) स्नान करवाने योग्य।
(ख) वस्त्र-आभूषण से सजाने योग्य ।
(ग) खिले हुए सुंदर कमल के समान।
(घ) मिट्टी से सने हुए पौधे के समान।

(ii) (ii) संगतकार पाठ के अनुसार संगतकार की मुख्य विशेषता क्या होती है?
(क) उसकी मानवीयता
(ख) उसकी कलात्मक श्रेष्ठता
(ग) उसकी प्रतिभा प्रदर्शन की आकांक्षा
(घ) उसकी आत्म मुग्धता

खंड 'ब'
(वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न 11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से **किन्हीं तीन प्रश्नों** के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। **(2 × 3 = 6)**

(क) 'नेताजी का चश्मा' पाठ में जब मूर्ति बनाने का कार्य किसी स्थानीय कलाकार को देने का निश्चय हुआ होगा, तो मास्टर मोतीलाल ने लोगों को क्या विश्वास दिलाया होगा? उन्होंने 'पटक देना' शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में किया?

(ख) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के लेखक को कल्पना करते रहने की पुरानी आदत क्यों रही होगी? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर बताइए कि आषाढ़ माह में गाँव के वातावरण में क्या परिवर्तन होते थे?

(घ) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखिका के मन में उपजी हीनता की ग्रंथि का क्या परिणाम हुआ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 12.निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित 4 प्रश्नों में से **किन्हीं तीन प्रशनों** के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **(2 × 3 = 6)**

(i) गोपियों ने श्रीकृष्ण के प्रति अपने एकनिष्ठ प्रेम को किन उदाहरण के द्वारा स्पष्ट किया है ?

(ii) "साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है।' इस कथन पर "राम लक्ष्मण परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(iii) आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में "अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा क्यों कहता है ?

(iii) फसल "हाथों के स्पर्श की गरिमा और महिमा' किस प्रकार है? विचार कीजिए।

प्रश्न 13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से **किन्हीं दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग 50 -60 शब्दों में लिखिए। **(4 × 2 = 8)**

(क) अपने बच्चों के प्रति माँ का ममत्व उनके प्रत्येक क्रिया-कलाप से झलकता है। भोलानाथ की माँ उसके भरपेट खाना खाने के बाद भी उसे थोड़ा और खिलाने का हठ करती थी। 'माता का अँचल' अध्याय में आए भोजन खिलाने वाले इस प्रसंग का उदाहरण देते हुए अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

(ख) लोंग स्टॉक पर घूमते चक्र के बारे में पूछा तो यह बताया कि यह चक्र है इसको घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं। इससे भारत की आत्मा एक-सी क्यों दिखी? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए।

(ग) लेखन से जुड़े कलाकारों को बाहरी दबाव प्रभावित करता है। क्या यह अन्य क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करता है? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक विषय पर 200** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए- **(5 × 1 = 5)**

(i) स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव -

अमृत महोत्सव का अर्थ,

इस महोत्सव में होने वाले समारोह,

इस महोत्सव का महत्त्व

(ii) सत्यमेव जयते -

* भाव

* झूठ के पाँव नहीं होते

* सत्य ही परम धर्म

(ii) लड़का-लड़की एकसमान -

* ईश्वर की देन
* भेदभाव के कारण
* दृष्टिकोण कैसे बदलें

प्रश्न 15. आप मनस्वी मौर्य या मनस्विता मालवीय है। बरसात के दिनों में दुर्घटना को दावत देते खुले पड़े सीवर लाइन के मैनहोल के संदर्भ में क ख ग नगर के दैनिक समाचार पत्र के संपादक को ध्यान आकृष्ट कराने हेतु समाचार प्रकाशित करने का अनुरोध करते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। **(5 × 1 = 5)**

अथवा

अपने मित्र को एक पत्र लिखिए जिसमें किसी अविस्मरणीय घटना का वर्णन हो। लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

प्रश्न 16. आप नेहा वर्मा है। आपने दिल्ली से बीबीए किया है। एक एमएनसी में कस्टमर केयर एक्सक्यूटिव के पद पर अपना आवेदन हेतु एक **स्ववृत्त** लिखिए। **(5 × 1 = 5)**

अथवा

आपका नाम सूरज /रोशनी है आनंद नगर के निवासी हैं। पिछले कुछ दिनों से आपके क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति अव्यवस्थित है। अपने क्षेत्र में अनियमित विद्युत आपूर्ति की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए राज्य विद्युत आपूर्ति निगम के महानिदेशक के नाम **शिकायती ई-मेल लिखिए।**

अथवा

प्रश्न 17. आपके चाचा जी ने मिठाई की दुकान खोली है। वे प्रचार-प्रसार के लिए स्थानीय समाचार-पत्र में उसका विज्ञापन देना चाहते हैं। आप उनके लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

(5 × 1 = 5)

अथवा

आप पारूल गर्ग हैं। आपके क्षेत्र में जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीकृष्ण लीला का आयोजन हो रहा है। इस अवसर पर लगभग 40 शब्दों में जन्माष्टमी के आयोजन संबंधी संदेश लिखिए।

अथवा

आपके क्षेत्र सिद्धार्थ नगर के मंदिर में 12 अगस्त को जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीकृष्ण लीला कार्यक्रम तथा दही-हांडी प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है के आयोजन संबंधी संदेश लिखिए –